बिहार सरकार
मुख्यमंत्री का कार्यालय
(जनसंपर्क कोषांग)
प्रेस विज्ञप्ति

संख्या–cm-77
14/02/2020

मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार की अध्यक्षता में जल–जीवन–हरियाली अभियान की प्रगति की हुई समीक्षा बैठक

पटना 14 फरवरी 2020 :– मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार की अध्यक्षता में 1 अणे मार्ग स्थित संकल्प में जल–जीवन–हरियाली अभियान की प्रगति की समीक्षात्मक बैठक हुई। ग्रामीण विकास विभाग के प्रधान सचिव श्री अरविंद कुमार चौधरी ने जल–जीवन–हरियाली अभियान के विभिन्न अवयवों की प्रगति से संबंधित जानकारी दी। बैठक के दौरान सार्वजनिक जल संरचनाओं को चिन्हित कर अतिक्रमण मुक्त कराना, उनका जीर्णोद्धार कराना तथा सार्वजनिक कुओं को चिन्हित कर जीर्णोद्धार कराने संबंधित जानकारी दी गई। सार्वजनिक कुओं/चापाकलों के किनारे सोख्ता/रिचार्ज/अन्य जल संचयन संरचनाओं का निर्माण कराना तथा छोटी–छोटी नदियों/नालों एवं पहाड़ी क्षेत्रों के जल संग्रहण क्षेत्रों में चेकडैम एवं जल संचयन के अन्य संरचनाओं के निर्माण के बारे में भी जानकारी दी गई। वहीं नए जल स्त्रोतों का सृजन तथा अधिशेष नदी जल क्षेत्र से जल की कमी वाले क्षेत्रों में जल पहुंचाने संबंधित योजनाओं एवं सरकारी भवनों में वर्षा जल संचयन की संरचना निर्माण के बारे में भी बताया गया। इसके अलावा पौधशाला एवं सघन वृक्षारोपण तथा वैकल्पिक फसलों, टपकन सिंचाई, जैविक खेती एवं अन्य नई तकनीकों के उपयोग के बारे में भी जानकारी दी गई। साथ ही सौर ऊर्जा उपयोग को प्रोत्साहन तथा ऊर्जा की बचत के संबंध में प्रगति की जानकारी दी गई।

बैठक में जल संसाधन विभाग के सचिव श्री संजीव हंस ने अपने प्रस्तुतीकरण में गंगाजल उद्वह योजना की प्रगति संबंधित जानकारी देने के साथ–साथ नदियों के गाद की सफाई एवं मृत धार/प्राकृतिक बहाव को पुनर्जीवित करने के संबंध में भी बताया।

बैठक में प्रधान सचिव, ऊर्जा श्री प्रत्यय अमृत ने प्रस्तुतीकरण में फ्लोटिंग सोलर प्लांट एवं सार्वजनिक स्थलों पर ऊर्जा की बचत के लिए किए जा रहे कार्यों के संबंध में जानकारी दी।

कृषि विभाग के सचिव श्री एन0 सरवन कुमार ने अपने प्रस्तुतीकरण में टपकन सिंचाई योजना, जैविक कॉरिडोर योजनान्तर्गत जैविक खेती कार्य तथा जल संचयन एवं कृषि प्रबंधन कार्य संबंधी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि किसानों को भ्रमण कराकर मौसम के अनुकूल कृषि कार्यक्रम संबंधित जानकारी दी जा रही है।

बैठक में पशु एवं मत्स्य संसाधन विभाग की प्रधान सचिव श्रीमती एन0 विजया लक्ष्मी ने चौर क्षेत्र विकास की प्रगति तथा मत्स्य पालन की बॉयोफ्लॉक पद्धति से मत्स्य पालन को बढ़ावा देने संबंधी जानकारी दी। साथ ही उन्होंने समेकित चौर विकास कार्य तथा बॉयोफ्लॉक पद्धति से मत्स्य पालन को लेकर चल रहे भ्रमण दर्शन योजना संबंधित जानकारी दी।

बैठक के दौरान लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग के सचिव श्री जितेंद्र श्रीवास्तव ने कहा कि सार्वजनिक चापाकल की पहचान कर जी0पी0एस0 मैपिंग की गई है। उन्होंने चापाकलों एवं कुओं के किनारे निर्मित सोख्ता/रिचार्ज संरचना के बाद अनुरक्षण एवं रख–रखाव की व्यवस्था संबंधित भी जानकारी दी।

पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग के प्रधान सचिव श्री दीपक कुमार सिंह ने हरियाली को बढ़ावा देने के लिए पौधारोपण कार्य के तहत निर्धारित लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए किए जा रहे कार्यों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इसमें विभिन्न संस्थाओं, जीविका समूहों का सहयोग लिया जा रहा है। वहीं लघु जल संसाधन विभाग के प्रधान सचिव श्री अमृत लाल मीणा ने वाटरवडीज के सुदृढ़ीकरण संबंधित जानकारी दी।

बैठक के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि गंगाजल उद्वह योजना को पूर्ण करने के लिए तेजी से कार्य करें, जिसमें जमीन अधिग्रहण के कार्य को प्राथमिकता में रखें। अतिक्रमणमुक्त कराए गए सार्वजनिक जल संचयन संरचनाओं पर निगरानी रखें ताकि उसे फिर से कोई अतिक्रमित न कर सके। सार्वजनिक जल संचयन संरचनाओं पर बसे भूमिहीन/वासविहीन व्यक्तियों की पहचान कर वास हेतु भूमि की व्यवस्था करें। उन्होंने कहा कि अगर भूमि उपलब्ध हो तो वासविहीन व्यक्तियों को भूमि उपलब्ध कराएं या वास स्थल क्रय योजना के तहत उन्हें जमीन खरीदने के लिए राशि प्रदान करें। सार्वजनिक तालाबों के जीर्णोद्धार कार्य के अलावा निजी तौर पर तालाबों की खुदाई एवं उसके आसपास हरियाली क्षेत्र विकसित करने के लिए भी लोगों को प्रेरित करें। उन्होंने कहा कि इससे फूल, फल का उत्पादन एवं मछली का भी उत्पादन बढ़ेगा, जिससे किसानों की आमदनी बढ़ेगी। चौर क्षेत्र विकास के लिए किए जा रहे बेहतर कार्य के मॉडल को किसानों को भ्रमण दर्शन की योजना के तहत दिखाया जाय, इससे समेकित क्षेत्र विकास एवं बॉयोफ्लॉक पद्धति से मत्स्य पालन का लाभ लोग जान सकेंगे। चौर क्षेत्र में निजी तौर पर तालाबों की खुदाई के लिए लोगों को प्रेरित किया जाय। उन्होंने कहा कि कुओं का जीर्णोद्धार का कार्य शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में तेजी से कराने की जरूरत है। जिन क्षेत्रों में भूजल स्तर नीचे गया था ,उन क्षेत्रों का भी चापाकल ठीक रखें ताकि पेयजल की उपलब्धता बनी रहे इसके लिए एक सिस्टम डेवलप करें।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पहाड़ी क्षेत्रों के निचले भागों में तालाब खुदाई के लिए जगहों का निरीक्षण कर इस कार्य को बढ़ावा देने के लिए कार्य करने की जरूरत है। रोहतास जिले के करकटगढ़ एवं नवादा जिले के ककोलत को ईको टूरिज्म के बेहतर स्थल के रुप में विकसित करने के लिए तेजी से कार्य किये जायें। उन्होंने कहा कि छत वर्षा जल संचयन संरचना के निर्माण हेतु निजी भवनों के लिए भी अधिक से अधिक लोगों को प्रेरित करें। सघन वृक्षारोपण कार्य के लिए पौधों की उपलब्धता बढ़ाने के लिए कार्य करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि गंगा नदी के किनारे जैविक खेती के कार्यों को बढ़ावा देने के लिए कार्य करें। बिजली की बचत हेतु लोगों को प्रेरित करते रहें। सरकारी कार्यालयों में भी अतिरिक्त बिजली की खपत को रोकने के लिए भी कार्य करें।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जल–जीवन–हरियाली अभियान के अंतर्गत विभिन्न अवयवों के कार्यों की प्रगति के लिए लगातार काम करते रहें साथ ही जागरुकता अभियान पर भी विशेष ध्यान दें। माह में एक दिन, एक घंटा सभी सरकारी स्कूलों, कार्यालयों, संगठनों एवं अन्य संस्थाओं में भी पर्यावरण संबंधित संवाद कराएं, जिससे ज्यादा से ज्यादा लोग जागरुक हो सकें।

बैठक में मुख्य सचिव श्री दीपक कुमार, विकास आयुक्त श्री अरुण कुमार सिंह, अपर मुख्य सचिव, शिक्षा श्री आर0के0 महाजन, अपर मुख्य सचिव भूमि एवं राजस्व सुधार श्री विवेक कुमार सिंह, पथ निर्माण विभाग के प्रधान सचिव श्री अमृत लाल मीणा, प्रधान सचिव स्वास्थ्य श्री संजय कुमार, प्रधान सचिव आपदा श्री प्रत्यय अमृत, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव श्री चंचल कुमार, प्रधान सचिव पर्यावरण वन एवं जलवायु परिवर्तन श्री दीपक कुमार सिंह, प्रधान सचिव पशु एवं मत्स्य विभाग श्रीमती एन0 विजया लक्ष्मी, ग्रामीण विकास विभाग के प्रधान सचिव श्री अरविंद कुमार चौधरी, लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग के सचिव श्री जितेंद्र श्रीवास्तव, कृषि

विभाग के सचिव श्री एन0 सरवन कुमार, जल संसाधन विभाग के सचिव श्री संजीव कुमार हंस, मुख्यमंत्री के सचिव श्री मनीष कुमार वर्मा, मुख्यमंत्री के सचिव श्री अनुपम कुमार, अपर सचिव मुख्यमंत्री सचिवालय श्री चंद्रशेखर सिंह, मुख्यमंत्री के विशेष कार्य पदाधिकारी श्री गोपाल सिंह सहित अन्य पदाधिकारीगण उपस्थित थे।

******